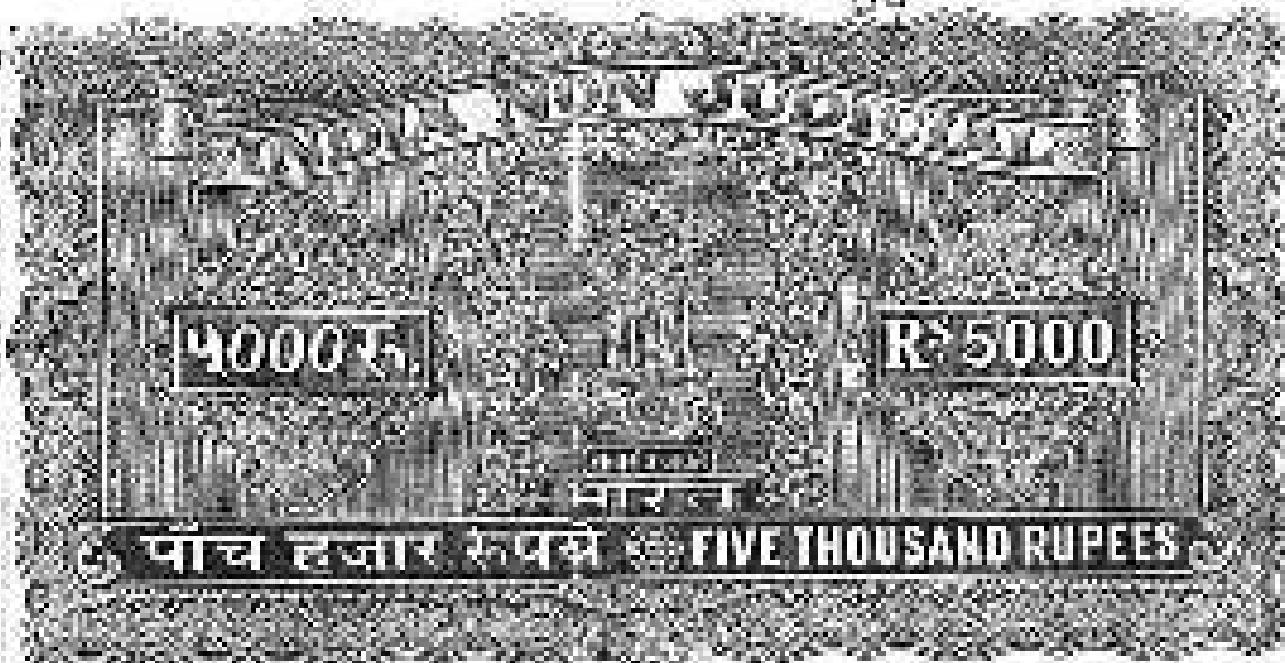
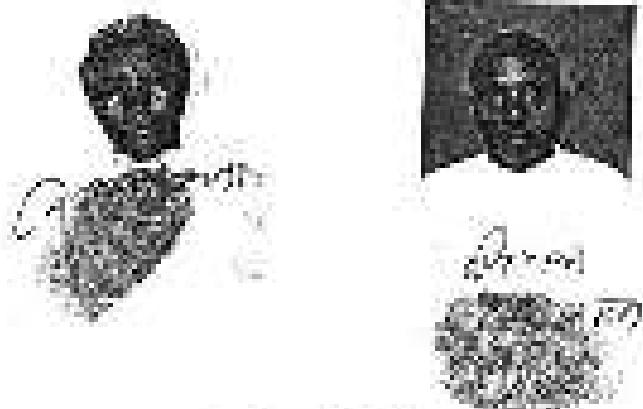


५००००/- 5000Rs



188262



विश्वनाथ चिलोक्ता

विश्वनाथ चिलोक्ता	: ₹ 4,20,553/-
विश्वनाथ चिलोक्ता	: ₹ 2,46,400/-
विश्वनाथ चिलोक्ता	: ₹ 1,12,100/-
विश्वनाथ चिलोक्ता	विश्वनाथ

वह विश्वनाथ चिलोक्ता श्रीमती रामदासा विश्वनाथ स्याठे पंचम विश्वाली
-राम - पुलकचन्द्र नगर पुलपल, उत्तराखण्ड छिंडीगढ़, तहसील म

किला छुट्टेनाला एवं जिन्हे आगे विश्वनाथनाथ छाड़ा गया है एवं

विश्वनाथ चिलोक्ता

మార్కెట్ నొప్పిల్లి
అంబుల్లి + 1.00 లోస్లి
ఎల్ల దుర్గా వ్యాపార క్ల్యూ
ఎల్ల 1.00 లోస్లి
ఎల్ల బెంగళ రాష్ట్ర ప్రా. క్ల్యూ
ఎల్ల 820. - 1.00 లోస్లి
ఎల్ల 1.00 లోస్లి

మార్కెట్ రాజీలు

కుళార్ ప్రా. క్ల్యూ

మార్కెట్ రాజీలు నొప్పిల్లి ప్రా. క్ల్యూ
మార్కెట్ రాజీలు నొప్పిల్లి ప్రా. క్ల్యూ
మార్కెట్ రాజీలు నొప్పిల్లి ప్రా. క్ల్యూ
మార్కెట్ రాజీలు నొప్పిల్లి ప్రా. క్ల్యూ
మార్కెట్ రాజీలు నొప్పిల్లి ప్రా. క్ల్యూ

మార్కెట్ రాజీలు

మార్కెట్ రాజీలు



మార్కెట్ రాజీలు

మార్కెట్ రాజీలు



138263

सतना शुल्क बैंक वर्तमान सिवाली-२३४, गोदावरी, डालीगढ़, असामके एवं देखाइ नियामी-दाम नियंत्रित किटोलिया, बोर्ड-नीगांव, चिला-कलाहुर जाम ए पोर्ट-सिमलहाट, जिला- पनालपुर निसे आपे जीता बाहा गया है, को जाप्य नियामित किया गया।

यह कि विक्रेतागत नुष्ठि लरात रात्रें-१२३ कम्बा-२५१ के १/३ भाग शार्थी ०.०८५ हेक्टेअर, व २३५ रुपया ०.१४० हेक्टेअर के पुरे भाग, कुल रकमा ०.२२५ हेक्टेअर, रिघत जाप मुखफल तगड़ मुख्यल, परगना -पिजनीद, गहालीज ए जिला, लखनऊ, का मालिक, कामिन ए काविन है जहां रात्रेवाल रात्रावाल भट्टाचार्य

कृष्ण देव

बिहार राज राजीन

କାନ୍ତିରୁ
କାନ୍ତିରୁ
କାନ୍ତିରୁ
କାନ୍ତିରୁ
କାନ୍ତିରୁ
କାନ୍ତିରୁ

କାନ୍ତିରୁ
କାନ୍ତିରୁ
କାନ୍ତିରୁ
କାନ୍ତିରୁ
କାନ୍ତିରୁ
କାନ୍ତିରୁ

କାନ୍ତିରୁ

କାନ୍ତିରୁ

କାନ୍ତିରୁ

କାନ୍ତିରୁ

କାନ୍ତିରୁ

କାନ୍ତିରୁ

କାନ୍ତିରୁ

କାନ୍ତିରୁ

କାନ୍ତିରୁ
କାନ୍ତିରୁ
କାନ୍ତିରୁ
କାନ୍ତିରୁ

କାନ୍ତିରୁ
କାନ୍ତିରୁ
କାନ୍ତିରୁ
କାନ୍ତିରୁ

5000Rs



1882

- 3 -

लाता खालीनी जम्बूला 227 ये 47 को अनुसार शूष्क विक्रीतागण के नाम द्वारा गवाह दरामद विवरण आखिलेओं में ही दर्शा है। इन्होंनागण अपना सम्पूर्ण दिलच्छा जला ले हुए इस विवरण विलोक्य दूसरे विवरण यह है कि विक्रीतागण उपरोक्त सम्पूर्ण भूमि के मालिक, कानूनी व वाक्यित हैं एवं वर्तमान समय ने उपर भूमि कृषि भूमि है, और यह कि विक्रीतागण यह पांचित बन्दा हैं जिस अवधीन विक्रीत भूमि सभी प्रकार के बाटों से मुक्त एवं पाया न जाए इन तथा विक्रीतागण ने उसे इस विलोक्य के सूत्रं कर्त्ता बच, हिंग, गिरणी वा अनुदनित इत्यादि नाम दिया है। उपरोक्त भूमि जो उल्लेख बोट्टू मारा

(प्रियोदय)

(प्रियोदय)

5000Rs.



188265

विनी न्यायालय या न्यायाली कालीनी के अन्तर्गत विधाय का एस्ट्र
विषय नहीं है, न ही उक्त इच्छाएँ हैं। विकलाणगण के अलावा उक्त
न्यायी में विनी अन्दर स्थित का ल्याप, इस बा दावा इत्तमादि नहीं है,
एवं विकलाणग को उक्त विषय अन्तर्गत फलों का पूर्ण आधिकार
प्राप्त है। अतएव उपरोक्त लाइब्रेरी के फलत्यालग रुप 4,20,553/-
(पाँच लाख बीस हजार बीस सौ लिएन रुपया) के प्रतिकर्त्ता से
विस्तय कि उपरोक्त इत्तमा दावा विकलाणग की इस विलोक्य के अन्त
में को गई अनुशृद्धी में विभिन्न विधि को अनुसार मुग्धतान कर दिया
गया है एवं जिहानी जापि वो विकलाणग यही स्वीकार चलता है।

अ. १० अप्रैल १९८२

अ. १० अप्रैल १९८२

5000Rs



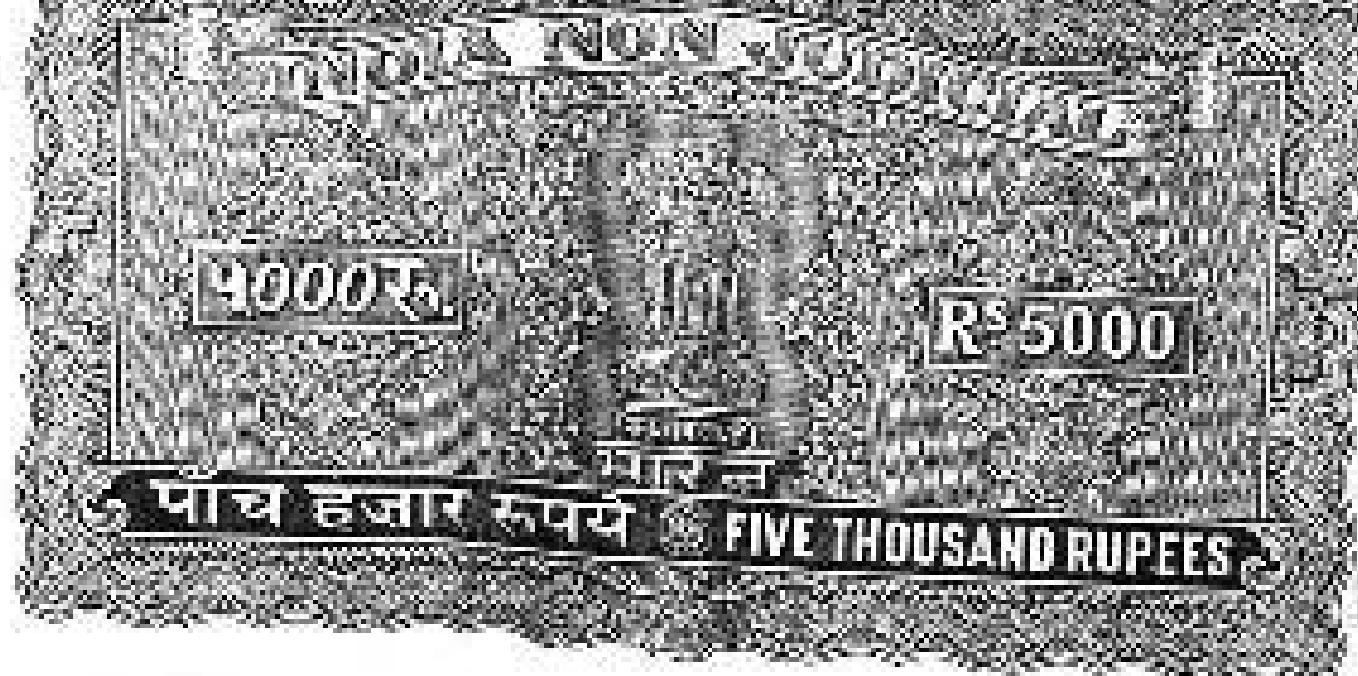
-188266

- 5 -
 नवम्बर १९४८ अता विक्रमाचार्य अक्तूबर के दूसरे उपरोक्त नामों पर भूमि
 विकास विभाग द्वारा विक्रमाचार्य अक्तूबर के अक्तूबरी के अलाल
 दिया गया है, जो कल्पना द्वारा है, एवं विक्रमाचार्य ने विक्रमाचार्य
 सभि का नाम पर अक्तूबर को बदला करा दिया गया है। अब
 अगले अक्तूबरी पर विक्रमाचार्य नाम छापे यारिकान वा कोई
 अधिकार नहीं है। विक्रमाचार्य ने विक्रमाचार्य सम्पत्ति को अपने
 नामित वे अपने अधिकारी के साथ गुणवाना व हमेशा के लिए
 बोला को विक्रमाचार्य कहा दिया है। अब ऐसा विक्रमाचार्य अप्यापि एवं
 उसके प्रत्येक नाम को अपने नामान् ल्यापित व अधिकार व नव्य

५००० रुपये

१ नवम्बर १९४८

5000Rs.



188267

- 6 -

में सम्पूर्ण के रूप में वाटण एवं उपचार या उपभोग छलेग। निष्ठागति ऊँची शिक्षी प्रकार की अद्भुत बात नहीं इतनी जल्दी एवं न ही कोई गम्भीर दस्तऐवं। और यदि निष्ठागति लम्पाई अथवा याहुं भाग विकल्पागत के लाभित्र में चुटि का वाटण था यानुकी अद्भुत या उच्चशी चुटि के वेषण बोला था उसके वारिसान निष्ठागति दस्तऐवं के कल्पे ना अधिकार था ल्यल्या तो निष्ठा जाये रही रहन। ऊँचे वारिसान, निष्ठागति इत्यादि को वह एक ही बात किए बहु अपना सम्भव कुरुक्षान ख्य लगाये। इन्होंने विष्ठागति को कह-

पृष्ठ ५८८
१८८२६७

पाँच हजार

5000Rs



1901

अपना समाज से आदेन अलगता प्रश्न करे ले। उस विषय में विशेषज्ञता एवं उच्चता विद्यान इन्होंने दर्शाई होगी।

वह कि दूसरा विकल्प युद्ध समाज की द्वारित आदित राजस्व आपलेंद्वारा में अपनी नाम देने वाला ले तो विशेषज्ञता को बोहँ आपलि न होगी और वह कि इस विकल्प विलेज को पूर्ण का भगव लोड़ पक्काना किसी तरह नहीं सकता तो उस सम्पर्क यह होता तो उसको विशेषज्ञता भुगतान द वाले कहें। विशेषज्ञता को काहि गाथित न होगी।

१९५२-११३८

१९५२-११३८

5000Rs.



1981]

यह तो उत्तरोत्तरा लाहौरा नमस्क शाय मुग्गपत्र नगर पुस्तकाल
अधिनगदीन्द्र संघ को विलिय शाय के अन्तर्गत आता है इलाला
निष्पादित सदाकैल हेठ रुप 11,00,000/- प्रति हेठटीवर को हिंसाय औ
विलीन चुंग 0.225 हेठटीवर वी जाजिमत रुप 2,46,000/- होती
है। धूपिय विंशय मूल्य 1 धूपि वी जाजिमत मूल्य द्वं अधिक है इलाला
निष्पादाता। विंशत मूल्य पर ही रुप 42,100/- जनरल व्हाय अदा
किए जा रहा है। यह तो उत्तरोत्तरा निष्पादित चुंग व्हाय के उपयोग के
लिए प्रयोग की जा रही है। इस धूपि में छोड़ कुआँ जाताय, व
निरांण आदि नहीं हैं तथा 200 धूपि के अपर्याप्त में छोड़ निष्पादन

1972-1980 HIST

1000 Rs



नहीं है नियमित भूमि फिल्मों लिए गए, राष्ट्रगांव का जनसंदर्भ उत्तम प्रभावित नहीं है। विश्वास भूमि सूलामधुर रोड के लगभग दो फिल्मोंसेट के अधिक दूरी पर स्थित है। विश्वासगण के बीच दोनों अनुशृण्यता वाली के तब्दील हैं। इस प्रकार विश्वास के विश्वासन का समझा गया ब्रेका द्वारा। वहाँ फिल्मों गया है।

पारिशिष्ट : विश्वास विश्वासगृह रामालिला घाट निवास

भूमि संसद संकाय-133 चान्दा-251 के 1/3 भाग अधीक्षण 0.
004 लैटर्ड, व 255 रुपया 0.140 हेल्पर्स के पूर्ण भाग, कुल

पूर्ण भाग

पूर्ण भाग

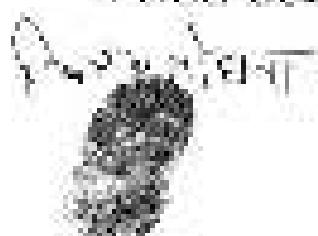
1000 Rs.



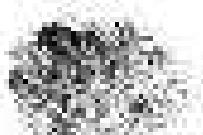
राजना ० २२४ लेवेल्स, स्क्वायर साम ग्रुपमें नगर भुवनेश्वर, ओडिशा
-बिलीर, तल्लोल म जिला, लखनऊ, जिसकी चीहूकी मिला है।

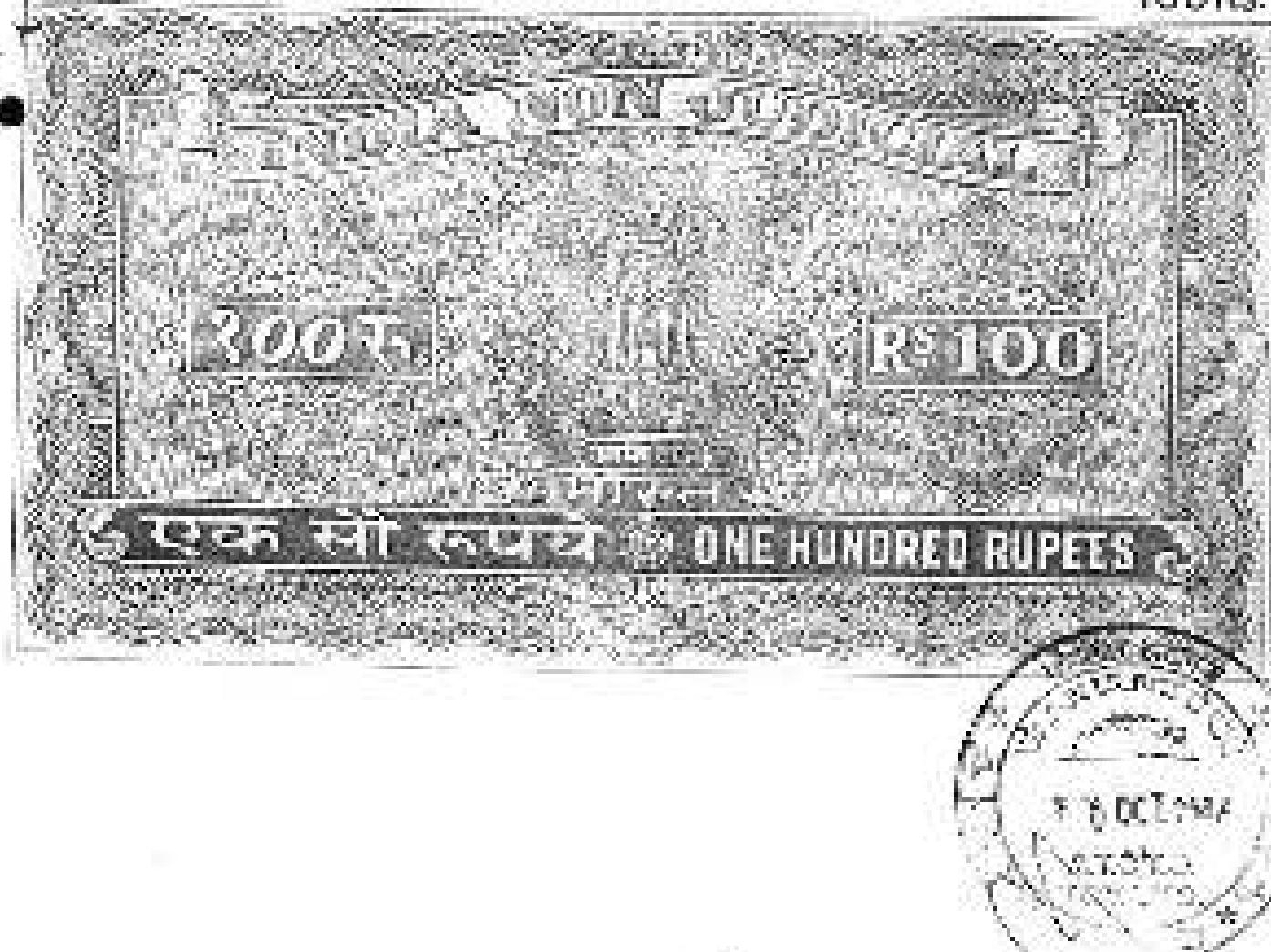
प्रतीक्षा का 133 नम्बर 0.251 लेवेल्स

पुस्तक	लखनऊ राज्या-249, 251, 252, 132
पत्रिका	लखनऊ राज्या 109
ज्ञान	लखनऊ सच्चा-161
दृष्टिगति	लखनऊ राज्या-136



18.10.1970





- 11 -

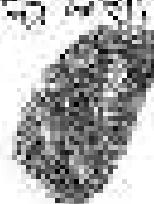
संख्या ४० २५५ तकमा ० १४० हालांकार

प्रबन्ध	: असाम संख्या-258
परिकल्प	: असाम संख्या-254
विवर	: चलाटा संख्या-247
दस्तिण	: असाम संख्या-256

पारिकल्प : भुगतान निवारण

युन विकल्प मूल्य दिनांकागम नं ० ४० २०,५६३/- (चाहे
ताख बीच हजार पाँच औ लिएन रुपया) हेता से जापा द्वह लक्ष-
खालकी प्राप्ति निवारण तीक्ष्ण फादो है।

द्वह लक्ष खालकी



भुगतान
निवारण

निहाया नाम विष्णु दत्त हाज विक्रोहारागण ने भंगा की पथ और
लम्बा गवालान निना बिस्ती और दबाव के, ये लाल्हा दिल व मन
की दहा से लिख दिशा ताबि सनद रहे थीं। आवश्यकता गढ़ने पर
कान आईं।

लखनऊ

दिनांक: ०५.११.२००४

गवाल

१.
गवाल दृष्टि की गवाल की
गवाली दृष्टि गवाली दृष्टि
गवाली दृष्टि

२.
गवाली दृष्टि
गवाली दृष्टि



पिक्रोरागण

दृष्टि अ. ०५.११.२००४

गवाल

टाइपसेटर

टाइप गवाली

प्रतिविदायक

प्रतिविदायक

(विकास दग्न दिल)

एडाप्टर

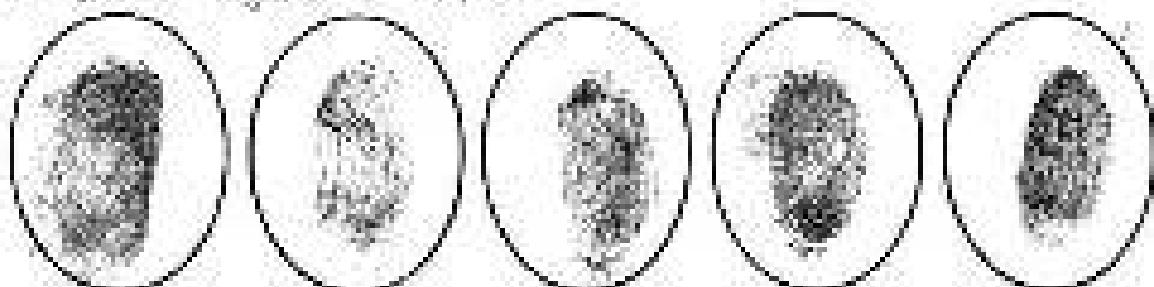
1970-1971 वर्षात् देशभूमि विभाग ने यह अधिकारी को बनाया



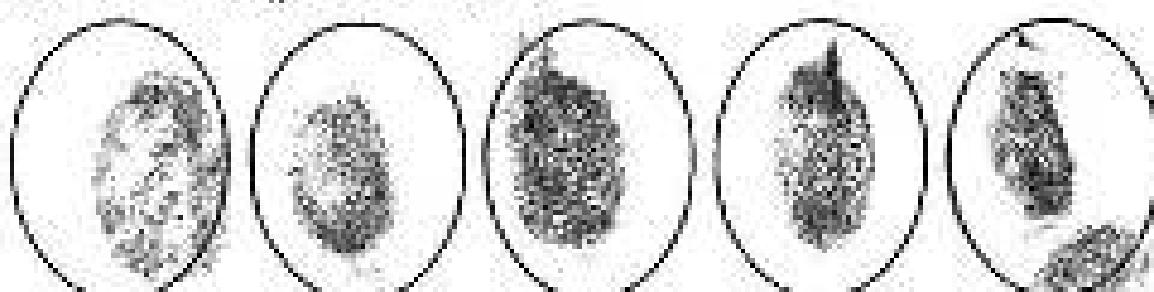
राजस्थान आधिनियम 1908 की घटा 320. के अनुपालन
हेतु निंगारी प्रिन्ट

प्रत्युत्तराविकला का नाम या नाम :- श्री देवी

यह ताल में अंकितों के बिन्दु :-



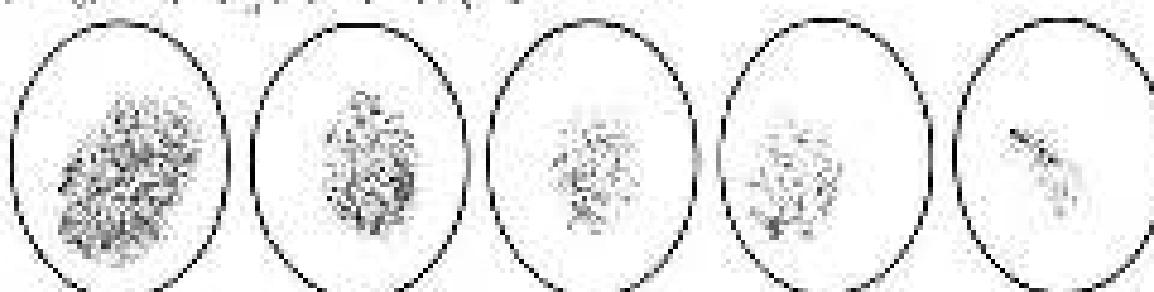
दाढ़ने ताल के अंकितों के बिन्दु :-



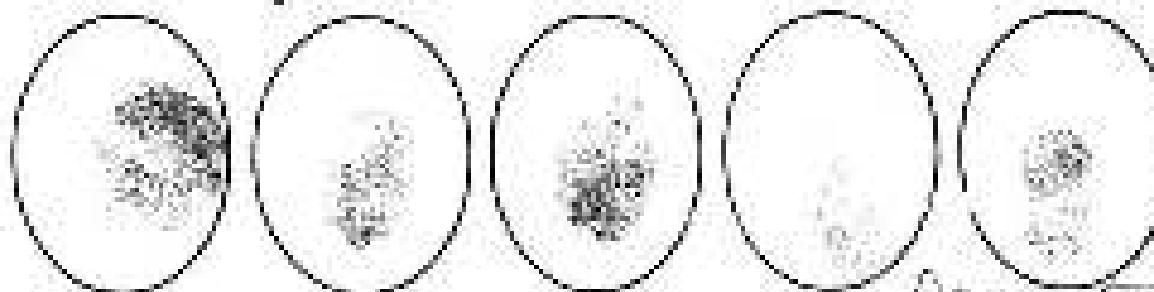
प्रत्युत्तराविकला/नाम/श्री देवी

प्रत्युत्तराविकला का नाम या नाम :-

यह ताल में अंकितों के बिन्दु :-



दाढ़ने ताल के अंकितों के बिन्दु :-



प्रत्युत्तराविकला के बिन्दु :-



1956
1956
1956